समाचार पत्र

खंड 15 | संख्या 3 | दिसम्बर 2024 – मार्च 2025

NEWSLETTER

VOLUME 15 | NO.3 | December 2024 - March 2025

CSIR-CGCRI

सीएसआईआर-सीजीसीआरआई

झलकियाँ

- सीएसआईआर–सीजीसीआरआई का प्लैटिनम जयंती समारोह (1950–2025)
- प्रथम प्लैटिनम जयंती विशिष्ट व्याख्यान
- द्वितीय प्लैटिनम जयंती विशिष्ट व्याख्यान
- तृतीय प्लैटिनम जयंती विशिष्ट व्याख्यान
- चतुर्थ प्लैटिनम जयंती विशिष्ट व्याख्यान
- पंचम प्लैटिनम जयंती विशिष्ट व्याख्यान
- षष्ठम प्लैटिनम जयंती विशिष्ट व्याख्यान
- प्रथम प्लैटिनम जयंती विज़िटर
- द्वितीय प्लैटिनम जयंती विज़िटर
- प्रथम प्लैटिनम जयंती व्याख्यान
- द्वितीय प्लैटिनम जयंती व्याख्यान
- तृतीय हिंदी कार्यशाला
- सीएसआईआर–यूआरडीआईपी एवं सीएसआईआर–आईपीयू का सीएसआईआर-सीजीसीआरआई: दौरा
- काँच पर XXVII अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस 2025
- उन्नत सामग्रियों में उभरते रुझानों पर सम्मेलन (ETAM 2025)
- "सीएसआईआर विज्ञान रथ" का शुभारंभ
- राष्ट्रीय विज्ञान दिवस
- CIMES (सेंटर ऑफ इनोवेशन एंड मैन्युफैक्चरिंग इको-सिस्टम) के लिए शिलान्यास, सीएसआईआर-सीजीसीआरआई
- 66वीं अनुसंधान परिषद (RC) बैठक
- व्याख्यान

HIGHLIGHTS

- CSIR-CGCRI Platinum Jubilee Celebration (1950-2025)
- 1st Platinum Jubilee Distinguished Lecture
- 2nd Platinum Jubilee Distinguished Lecture
- •3rd Platinum Jubilee Distinguished Lecture
- 4th Platinum Jubilee Distinguished Lecture
- 5th Platinum Jubilee Distinguished Lecture
- 6th Platinum Jubilee Distinguished Lecture
- 1st Platinum Jubilee Visitors
- 2nd Platinum Jubilee Visitors
- 1st Platinum Jubilee Lecture
- 2nd Platinum Jubilee Lecture
- 3rd Hindi Workshop
- CSIR–URDIP and CSIR-IPU visited CSIR-CGCRI
- XXVII INTERNATIONAL CONGRESS ON GLASS 2025
- Conference on Emerging Trends in Advanced Materials (ETAM 2025)
- Flagged off "CSIR Vigyan Rath
- National Science Day
- Foundation Stone Laid for CIMES (Centre of Innovation & Manufacturing Eco-System) CSIR-CGCRI
- The 66th RC Meeting
- Lecture

फोकस में

सीएसआईआर–सीजीसीआरआई का प्लैटिनम जयंती समारोह (1950–2025)

सीएसआईआर - केन्द्रीय काँच एवं सिरामिक अनुसंधान संस्थान, जिसे मूल रूप से सेंट्रल ग्लास एवं सिलिकेट अनुसंधान संस्थान नाम देने का प्रस्ताव था, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के अंतर्गत स्थापित किए जाने वाले प्रथम चार प्रयोगशालाओं में से एक है। यद्यपि इसने 1944 में सीमित रूप से कार्य प्रारंभ कर दिया था, परंतु संस्थान का औपचारिक उद्घाटन 26 अगस्त 1950 को हुआ।

सीएसआईआर - केन्द्रीय काँच एवं सिरामिक अनुसंधान संस्थान, कोलकाता ने गर्व के साथ अपनी प्लैटिनम जयंती मनाई, जो काँच और सिरामिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में 75 वर्षों की उत्कृष्टता का प्रतीक है। यह उत्सव वित्तीय वर्ष 2024–25 और 2025–26 के दौरान जारी रहेगा। CGCRI ने भारत की काँच, सिरामिक, फोटोनिक्स, सेंसर और संबंधित सामग्रियों में क्षमताओं को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में नवाचार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिला है।

इन कर्यक्रम में विशेष व्याख्यान, प्रौद्योगिकी प्रदर्शन, इंटरैक्टिव सत्र और उत्कृष्ट योगदानों के लिए सम्मान शामिल थे, जिन्होंने CGCRI की स्थापना से लेकर आज तक की यात्रा को उजागर किया—जहाँ यह एक वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त नवाचार केंद्र बन चुका है। इस उत्सव ने संस्थान की भविष्य-दृष्टि को भी रेखांकित किया जो उन्नत सामग्रियों और उभरती प्रौद्योगिकियों का उपयोग कर विकसित भारत 2047 और उससे आगे की चुनौतियों का सामना करना है।

वर्षभर चलने वाले प्लैटिनम जयंती समारोह की शुरुआत टा. एन. कलाईसेल्वी (महानिदेशक, CSIR एवं सचिव, DSIR), आशुतोष शर्मा (अध्यक्ष, सीएसआईआर–सीजीसीआरआई अनुसंधान परिषद) तथा पूर्व निदेशक सुमन कुमारी मिश्रा और के. मुरलीधरन के हार्दिक वीडियो संदेशों के साथ हुई, जिन्होंने सीएसआईआर–सीजीसीआरआई की उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए बधाई दी और आगामी समारोहों के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

समारोह का औपचारिक उद्घाटन 23 दिसंबर 2024 को प्रो. बिक्रमजीत बसु, निदेशक, सीएसआईआर–सीजीसीआरआई द्वारा किया गया, जो संस्थान की यात्रा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित हुआ।

In Focus

CSIR-CGCRI Platinum Jubilee Celebration (1950-2025)

CSIR-Central Glass and Ceramic Research Institute originally proposed to be named as Central Glass & Silicate Research Institute is one of the first four laboratories decided to be set up under the Council of Scientific & Industrial Research. Even though it started functioning in a limited way in 1944, the Institute was formally inaugurated on August 26, 1950.

The CSIR-Central Glass and Ceramic Research Institute (CSIR-CGCRI), Kolkata, proudly marked its Platinum Jubilee, celebrating 75 years of excellence in glass and ceramic science and technology.This celebration will be carried on throughout the financial years 2024–25 and 2025–26. CSIR-CGCRI has played a pivotal role in advancing India's capabilities in glass, ceramics, photonics, sensors, and related materials, driving innovation and self-reliance in multiple industrial sectors.

The event featured special lectures, technology showcases, interactive sessions, and honors for outstanding contributions, highlighting CGCRI's journey from its inception to its current status as a globally recognized hub of innovation. The celebration also emphasized the institute's forward-looking vision—to harness advanced materials and emerging technologies to meet the challenges of Viksit Bharat 2047 and beyond.

The yearlong Platinum Jubilee celebrations commenced with heartfelt video messages from Dr. N. Kalaiselvi, DG, CSIR & Secretary, DSIR; Prof. Ashutosh Sharma, Chairman, CSIR-CGCRI Research Council; and former Directors Dr. Suman Kumari Mishra and Dr. K. Muraleedharan, congratulating CSIR-CGCRI on its illustrious achievements and extending their best wishes for the forthcoming celebrations. The celebrations were formally inaugurated on December 23, 2024 by Prof. Bikramjit Basu, Director, CSIR-CGCRI, marking the beginning of a historic milestone in the institute's journey .

प्रथम प्लैटिनम जयंती विशिष्ट व्याख्यान

सीएसआईआर - केन्द्रीय काँच एवं सिरामिक अनुसंधान संस्थान के प्लैटिनम जयंती समारोह के अंतर्गत प्रथम प्लैटिनम जयंती विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह व्याख्यान डॉ. देबाशीष भट्टाचार्य, एफआरइंग, प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी मद्रास) तथा पूर्व उपाध्यक्ष (प्रौद्योगिकी एवं अनुसंधान एवं विकास), टाटा स्टील लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत किया गया।उनका व्याख्यान, "सतत भविष्य के लिए अनुवादात्मक प्रौद्योगिकी: भारतीय परिदृश्य में चुनौतियाँ", भारत में सतत प्रौद्योगिकियों के विकास से जुड़े अवसरों और चुनौतियों पर गहन अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

इस कार्यक्रम में कई प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे, जिनमें प्रो. (डॉ.) एच. एस. मैती, पूर्व निदेशक, सीएसआईआर-सीजीसीआरआई; डॉ. रामानुज नारायण, निदेशक, सीएसआईआर–खनिज एवं पदार्थ प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर-आईएमएमटी), तथा श्री कमल दासगुप्ता, पूर्व कार्यवाहक निदेशक, सीएसआईआर-सीजीसीआरआई सहित अन्य विशिष्ट अतिथि शामिल थे।

1st Platinum Jubilee Distinguished Lecture

As part of the Platinum Jubilee Celebrations of CSIR-Central Glass and Ceramic Research Institute, the 1st Platinum Jubilee Distinguished Lecture was delivered by Dr. Debashish Bhattacharjee, FREng, Professor of Practice, IIT Madras, and Former Vice President (Technology & R&D), Tata Steel Ltd. His lecture, entitled "Translational Technology for Sustainable Future: Challenges in the Indian Landscape," offered deep insights into the opportunities and challenges of advancing sustainable technologies in India.

The event was graced by eminent dignitaries, including Prof. (Dr.) H.S. Maiti, Former Director, CSIR-CGCRI; Dr. Ramanuj Narayan, Director, CSIR-IMMT; and Shri Kamal Dasgupta, Former Acting Director, CSIR-CGCRI, along with several other distinguished guests.

डॉ. देबाशीष भट्टाचार्जी पहला प्लैटिनम जयंती विशिष्ट व्याख्यान देते हुए

Dr. Debashish Bhattacharjee delivering 1st Platinum Jubilee Distinguished Lecture

द्वितीय प्लैटिनम जयंती विशिष्ट व्याख्यान

प्रो. बिक्रमजीत बसु, निदेशक, सीएसआईआर - केन्द्रीय काँच एवं सिरामिक अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीजीसीआरआई) ने 30 जनवरी 2025 को संस्थान की द्वितीय प्लैटिनम जयंती विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला का उद्घाटन किया। सीएसआईआर-सीजीसीआरआई के प्लैटिनम जयंती (2024–2025) समारोह के अंतर्गत प्रो. एनरिको ट्रावर्सा, प्रोफेसर, रासायनिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, रोम टोर वर्गाटा विश्वविद्यालय, इटली, इटली ने संस्थान का दौरा किया और "सतत विकास के लिए सिरामिक नैनोमैटेरियल्स" विषय पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

2nd Platinum Jubilee Distinguished Lecture

Prof. Bikramjit Basu, Director, CSIR-CGCRI, inaugurated the Institute's 2nd Platinum Jubilee Distinguished Lecture Series on January 30, 2025. As part of the celebrations for CSIR-CGCRI's Platinum Jubilee (2024–2025), Prof. Enrico Traversa, Professor, Department of Chemical Science and Technology, University of Tor Vergata, Italy, visited the institute and delivered an enlightening talk on "Ceramic Nanomaterials for Sustainable Development."

प्रो. एनरिको ट्रैवर्सा दूसरा प्लैटिनम जयंती विशिष्ट व्याख्यान देते हुए

Prof. Enrico Traversa delivering 2nd Platinum Jubilee Distinguished Lecture

तृतीय प्लैटिनम जयंती विशिष्ट व्याख्यान

सीएसआईआर - केन्द्रीय काँच एवं सिरामिक अनुसंधान संस्थान के प्लैटिनम जयंती वर्ष (2024–2025) समारोह के अंतर्गत प्रो. दीपांकर बनर्जी, पद्मश्री सम्मानित एवं भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु (आईआईएससी) के प्रख्यात प्रोफेसर ने 7 फरवरी 2025 को तृतीय प्लैटिनम जयंती विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किया। उनका व्याख्यान, "GaN: प्रक्रिया, संरचना और गुण", आधुनिक पदार्थ विज्ञान में गैलियम नाइट्राइड (GaN) के विकास और अनुप्रयोगों पर गहन अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। इस कार्यक्रम की मेजबानी प्रो. बिक्रमजीत बसु, निदेशक, सीएसआईआर-सीजीसीआरआई द्वारा की गई, जिसमें वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और प्रो. बनर्जी के अनुभव से लाभान्वित हुए।

3rd Platinum Jubilee Distinguished Lecture

As part of CSIR-CGCRI's ongoing Platinum Jubilee Year (2024–2025) celebrations, Prof. Dipankar Banerjee, Padma Shri Awardee and eminent faculty member of IISc, Bangalore, delivered the 3rd Platinum Jubilee Distinguished Lecture on February 7, 2025.His lecture, titled "GaN: Process, Structure and Properties," offered deep insights into the advancements and applications of Gallium Nitride (GaN) in modern materials science. The event was graciously hosted by Prof. Bikramjit Basu, Director, CSIR-CGCRI, and was attended by scientists, researchers, and students eager to engage with Prof. Banerjee's expertise.

प्रो. दीपांकर बनर्जी तीसरा प्लैटिनम जयंती विशिष्ट व्याख्यान देते हुए

Prof. Dipankar Banerjee delivering 3rd Platinum Jubilee Distinguished Lecture

चतुर्थ प्लैटिनम जयंती विशिष्ट व्याख्यान

प्रो. पद्मनाभन बालाराम, प्रो. बिक्रमजीत बसु तथा डॉ. देबदुलाल साहा द्वारा सीएसआईआर - केन्द्रीय काँच एवं सिरामिक अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीजीसीआरआई) के प्लैटिनम जयंती समारोह के अंतर्गत इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। चतुर्थ प्लैटिनम जयंती विशिष्ट व्याख्यान प्रो. पद्मनाभन बालाराम, चांसलर, वैज्ञानिक एवं अभिनव अनुसंधान अकादमी (एसीएसआईआर) एवं चेयरपर्सन, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, एसीएसआईआर द्वारा "भारत में विज्ञान और वैज्ञानिक: अतीत और वर्तमान" विषय पर प्रस्तुत किया गया। अपने विचारोत्तेजक संबोधन में प्रो. बालाराम ने भारत में वैज्ञानिक विकास की यात्रा को रेखांकित करते हुए भारतीय वैज्ञानिकों की उपलब्धियों और चुनौतियों पर विस्तृत प्रकाश डाला।

4th Platinum Jubilee Distinguished Lecture

The event was inaugurated by Prof. Padmanabhan Balaram, Prof. Bikramjit Basu, and Dr. Debdulal Saha as a part of CSIR-CGCRI's Platinum Jubilee celebrations. The 4th Platinum Jubilee Distinguished Lecture delivered by Prof. Padmanabhan Balaram, Chancellor, AcSIR & Chairperson, Board of Governors, AcSIR, on "Science and Scientists in India: Past and Present." In his insightful address, Prof. Balaram traced India's scientific evolution, offering reflections on the achievements and challenges faced by Indian scientists over the decades.

प्रो. पद्मनाभन बलराम चौथा प्लैटिनम जयंती विशिष्ट व्याख्यान देते हुए

Prof. Padmanabhan Balaram delivering 4th Platinum Jubilee Distinguished Lecture

पंचम प्लैटिनम जयंती विशिष्ट व्याख्यान

सीएसआईआर - केन्द्रीय काँच एवं सिरामिक अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीजीसीआरआई) के प्लैटिनम जयंती समारोह (2024–2025) के अंतर्गत 7 मार्च 2025 को पंचम प्लैटिनम जयंती विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। डॉ. समीर वी. कामत, सचिव, रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग तथा अध्यक्ष, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने "रक्षा के लिए सामग्री: चुनौतियाँ और अवसर" विषय पर प्रभावशाली व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. बिक्रमजीत बसु, निदेशक, सीएसआईआर-सीजीसीआरआई तथा प्रो. विभा टंडन, निदेशक, सीएसआईआर–भारतीय रासायनिक जीवविज्ञान संस्थान (सीएसआईआर-आईआईसीबी) सहित वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और आमंत्रित अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जो महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अत्याधुनिक अनुसंधान और ज्ञान के आदान-प्रदान के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

5th Platinum Jubilee Distinguished Lecture

As part of CSIR-CGCRI's Platinum Jubilee celebrations (2024–2025), the institute hosted the 5th Platinum Jubilee Distinguished Lecture on 7 March 2025. Dr. Samir V. Kamat, Secretary, Department of Defence R&D and Chairman of DRDO, delivered an impactful lecture titled "Materials for Defence: Challenges and Opportunities." The event was graced by Prof. Bikramjit Basu, Director, CSIR-CGCRI, and Prof. Vibha Tandon, Director, CSIR-IICB, along with scientists, researchers, and invited guests, underscoring the institute's commitment to fostering cutting-edge research and knowledge exchange in critical technological areas.

डॉ. समीर वी. कामत 5वां प्लैटिनम जयंती विशिष्ट व्याख्यान देते हुए

Dr. Samir V. Kamat delivering 5th Platinum Jubilee Distinguished Lecture

षष्ठम प्लैटिनम जयंती विशिष्ट व्याख्यान

सीएसआईआर - केन्द्रीय काँच एवं सिरामिक अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीजीसीआरआई) ने अपने प्लैटिनम जयंती समारोह (2024–2025) के अंतर्गत सोमवार, 24 मार्च 2025 को ऑनलाइन माध्यम में षष्ठम प्लैटिनम जयंती विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया। यह व्याख्यान प्रो. फिलिप विथर्स, FRS, FREng, FIMMM, रेजियस प्रोफेसर ऑफ मैटेरियल्स, मैटेरियल्स विभाग तथा निदेशक, नेशनल रिसर्च फैसिलिटी फॉर लेबोरेटरी सीटी, मैनचेस्टर विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम द्वारा प्रस्तुत किया गया। उनका व्याख्यान, "सामग्री व्यवहार की सहसंबंधित समय-आधारित 2D एवं 3D इमेजिंग", सामग्री के गुणों और प्रदर्शन को समझने के लिए उन्नत इमेजिंग तकनीकों पर केंद्रित था। कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत भाषण एवं वक्ता परिचय के साथ हुई, जिसे प्रो. बिक्रमजीत बसु, निदेशक, सीएसआईआर-सीजीसीआरआई, कोलकाता द्वारा प्रस्तुत किया गया।

6th Platinum Jubilee Distinguished Lecture

As apart of its Platinum Jubilee celebrations (2024–2025), CSIR-CGCRI hosted the 6th Platinum Jubilee Distinguished Lecture in an online format on Monday, 24th March 2025. The lecture was delivered by Prof. Philip Withers, FRS, FREng, FIMMM, Regius Professor of Materials, Department of Materials, and Director, National Research Facility for Laboratory CT, The University of Manchester, UK. His talk, titled "Correlative Time-Resolved 2D and 3D Imaging of Materials Behaviour," explored advanced imaging techniques for understanding material properties and performance. The session began with a Welcome Address and Speaker Introduction by Prof. Bikramjit Basu, Director, CSIR-CGCRI, Kolkata.

प्रथम प्लैटिनम जयंती विज़िटर

सीएसआईआर - केन्द्रीय काँच एवं सिरामिक अनुसंधान संस्थान कोलकाता के प्लैटिनम जयंती समारोह (2024–25) के अंतर्गत बी. वेंकट मनोज कुमार, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की (आईआईटी रुड़की) ने 18–24 दिसंबर 2024 के दौरान प्रथम प्लैटिनम जयंती विज़िटर के रूप में संस्थान का दौरा किया। अपने दौरे के दौरान उन्होंने वैज्ञानिकों, कर्मचारियों एवं शोधार्थियों के साथ संवाद किया तथा संस्थान के विभिन्न अनुसंधान एवं विकास (R&D) प्रभागों और प्रमुख कैरेक्टराइजेशन सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने भारतीय सिरामिक सोसाइटी, कोलकाता चैप्टर द्वारा सीएसआईआर सी सीजाबाई के सहयोग से आयोजित एक संगोष्ठी में तकनीकी व्याख्यान भी प्रस्तुत किया। यह दौरा संस्थान के प्लैटिनम जयंती समारोह के अंतर्गत शैक्षणिक आदान-प्रदान और वैज्ञानिक चर्चाओं को प्रोत्साहित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ।

1st Platinum Jubilee Visitors

As part of the Platinum Jubilee Celebrations (2024–25) of CSIR-Central Glass and Ceramic Research Institute Kolkata, B. Venkata Manoj Kumar, Professor and Head, Department of Metallurgical and Materials Engineering, Indian Institute of Technology Roorkee, visited the Institute as the 1st Platinum Jubilee Visitor during 18–24 December 2024. During his visit, he interacted with scientists, staff members, and research scholars and toured several R&D divisions and major characterization facilities of the Institute. He also delivered a technical lecture in a seminar organized by the Indian Ceramic Society, Kolkata Chapter, in association with CSIR-CGCRI. The visit facilitated valuable academic exchange and scientific discussions as part of the Institute's Platinum Jubilee celebrations.

प्रो. बी. वेंकट मनोज कुमार प्रथम प्लैटिनम जयंती विज़िटर
Prof. B. Venkata Manoj Kumar delivering 1st Platinum Jubilee Visitor Lecture

द्वितीय प्लैटिनम जयंती विज़िटर

सीएसआईआर - केन्द्रीय काँच एवं सिरामिक अनुसंधान संस्थान के प्लैटिनम जयंती समारोह (2024–2025) के अंतर्गत प्रो. माइकल गेलिंस्की, प्रमुख, सेंटर फॉर ट्रांसलेशनल बोन, जॉइंट एंड सॉफ्ट टिश्यू रिसर्च, टीयू ड्रेसडेन, जर्मनी, जर्मनी ने 3–5 मार्च 2025 के दौरान संस्थान का दौरा किया। वैश्विक स्तर पर 3D बायोप्रिंटिंग और स्वास्थ्य सामग्री अनुसंधान के विशेषज्ञ प्रो. गेलिंस्की ने 4 मार्च 2025 को एपीसी रॉय सेमिनार हॉल में "हड्डियों के उपचार के लिए कैल्शियम फॉस्फेट सीमेंट और मेसोपोरस बायोएक्टिव ग्लास से बने समग्र पदार्थ" विषय पर तृतीय प्लैटिनम जयंती विशिष्ट विज़िटर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उनके इस दौरे में वैज्ञानिकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों के साथ इंटरैक्टिव सत्र शामिल थे, जिसने उन्नत बायोमैटेरियल्स और भविष्य के सहयोग पर सार्थक चर्चा को प्रोत्साहित किया। यह दौरा संस्थान के इस महत्वपूर्ण समारोह में विशेष योगदान प्रदान करने वाला सिद्ध हुआ।

2nd Platinum Jubilee Visitors

As part of CSIR-CGCRI's Platinum Jubilee Celebrations (2024–2025), Prof. Michael Gelinsky, Head, Centre for Translational Bone, Joint and Soft Tissue Research, TU Dresden, Germany, visited the institute from March 3–5, 2025. A globally recognized expert in 3D bioprinting and healthcare materials research, Prof. Gelinsky delivered the 2nd Platinum Jubilee Distinguished Visitor Lecture on "Composites Made from Calcium Phosphate Cements and Mesoporous Bioactive Glass for Bone Healing Applications" on March 4, 2025, at APC Roy Seminar Hall. His visit featured interactive sessions with scientists, research scholars, and students, fostering discussions on advanced biomaterials and future collaborations, and added great value to the institute's landmark celebrations.

प्रो. माइकल गेलिंस्की तीसरा प्लैटिनम जयंती विशिष्ट अतिथि व्याख्यान देते हुए
Prof. Michael Gelinsky delivering 2nd Platinum Jubilee Distinguished Visitor Lecture

प्रथम प्लैटिनम जयंती व्याख्यान

यह व्याख्यान प्रो. (डॉ.) रमन सिंह, प्रोफेसर, रासायनिक एवं जैव अभियांत्रिकी विभाग तथा यांत्रिक एवं एयरोस्पेस अभियांत्रिकी विभाग, मोनाश विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया; स्पार्क विज़िटिंग प्रोफेसर, धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर (आईआईटी खड़गपुर); तथा विज़िटिंग प्रोफेसर, ईटीएच ज्यूरिख, स्विट्ज़रलैंड द्वारा प्रस्तुत किया गया। उनका व्याख्यान, "माइल्ड स्टील पर ग्राफीन के केमिकल वेपर डिपोज़िशन में चुनौतियों को पार करना: उत्कृष्ट और टिकाऊ जंग-प्रतिरोध के लिए एक अभिनव दृष्टिकोण", उन्नत सामग्री अभियांत्रिकी के माध्यम से बेहतर जंग-प्रतिरोध प्राप्त करने की नवीन तकनीकों पर महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।।

1st Platinum Jubilee Lecture

The lecture was delivered by Prof. (Dr.) Raman Singh, Professor, Department of Chemical and Biological Engineering & Department of Mechanical and Aerospace Engineering, Monash University, Australia; SPARC Visiting Professor, Department of Metallurgical and Materials Engineering, IIT Kharagpur; and Visiting Professor, ETH Zurich.His talk, titled "Circumventing Challenges in Chemical Vapour Deposition of Graphene on Mild Steel: A Disruptive Approach to Remarkable and Durable Corrosion Resistance," provided valuable insights into innovative techniques for achieving enhanced corrosion resistance through advanced materials engineering.

द्वितीय प्लैटिनम जयंती व्याख्यान

सीएसआईआर - केन्द्रीय काँच एवं सिरामिक अनुसंधान संस्थान के प्लैटिनम जयंती समारोह (2024–2025) के अंतर्गत 21 मार्च 2025 को द्वितीय प्लैटिनम जयंती व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह व्याख्यान प्रो. (डॉ.) संजय बिहारी, निदेशक, श्री चित्र तिरुनाल चिकित्सा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुवनंतपुरम, तिरुवनंतपुरम द्वारा प्रस्तुत किया गया। उनका व्याख्यान, "मेडिकल डिवाइस विकास: रोडमैप, उपलब्धियाँ और चुनौतियाँ", चिकित्सा उपकरण नवाचार के क्षेत्र में हाल के अत्याधुनिक विकासों पर प्रकाश डालता है, साथ ही इन तकनीकों को चिकित्सा विज्ञान और रोगी देखभाल के लाभ हेतु लागू करने में आने वाली चुनौतियों और अवसरों पर भी चर्चा करता है। इस अवसर पर प्रो. बिक्रमजीत बसु, निदेशक, सीएसआईआर-सीजीसीआरआई की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं एवं विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी की, जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अंतःविषय अनुसंधान और संवाद को बढ़ावा देने के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।।

2nd Platinum Jubilee Lecture

As part of CSIR-CGCRI's Platinum Jubilee celebrations (2024–2025), the institute hosted the 2nd Platinum Jubilee Lecture on 21st March 2025. Prof. (Dr.) Sanjay Behari, Director of Sree Chitra Tirunal Institute for Medical Sciences and Technology, Thiruvananthapuram, delivered an engaging lecture titled "Medical Device Development: The Roadmap, the Successes and the Travails." In his address, Prof. Behari shed light on recent cutting-edge advances in medical device innovation, while also discussing the challenges and opportunities in translating these technologies to benefit medical science and patient care. The event was graced by Prof. Bikramjit Basu, Director, CSIR-CGCRI, and was attended by scientists, researchers, and students, underscoring the institute's commitment to advancing interdisciplinary research and fostering dialogue on critical areas of science and technology.

प्रो. (डॉ.) संजय बिहारी दूसरा प्लैटिनम जयंती व्याख्यान देते हुए
Prof. (Dr.) Sanjay Behari delivering 2nd Platinum Jubilee Lecture

तृतीय हिंदी कार्यशाला

सीएसआईआर - केन्द्रीय काँच एवं सिरामिक अनुसंधान संस्थान में 24 दिसंबर 2024 को "अनुवाद में एआई प्रौद्योगिकी की भूमिका" विषय पर वर्ष 2024-2025 हेतु तृतीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला संस्थान एवं इसके विस्तार केंद्रों के कर्मचारियों के लिए हाइब्रिड मोड में आयोजित की गई, जिससे विभिन्न स्थानों से सहभागिता सुनिश्चित हुई।

कार्यशाला का संचालन श्री वी. के यादव द्वारा किया गया। प्रशासनिक अधिकारी ने अतिथि वक्ता का स्वागत किया। हिंदी अधिकारी ने कार्यशाला का समन्वय किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। जिससे अनुवाद प्रक्रियाओं में एआई के एकीकरण पर यह सत्र सफल एवं सार्थक रहा।

श्री वी. के. यादव व्याख्यान देते हुए
Mr. V. K. Yadav delivering Lecture

3rd Hindi Workshop

CSIR-CGCRI organized 3rd Hindi Workshop for the year 2024-2025 on the theme "Role of AI Technology in Translation" On 24th December, 2024, for the employees of the institute and its extension centers. The event was conducted in hybrid mode, ensuring participation from multiple locations.

The workshop was moderated by Mr. V. K. Yadav. The Administrative Officer extended a warm welcome to the guest speaker. Hindi Officer coordinated the workshop and delivered the vote of thanks, marking a successful and engaging session on the integration of AI in translation practices.

सीएसआईआर–यूआरडीआईपी एवं सीएसआईआर–आईपीयू का सीएसआईआर- सीजीसीआरआई दौरा

डॉ. किशोर श्रीनिवासन के नेतृत्व में सीएसआईआर–यूनिट फॉर रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑफ इन्फॉर्मेशन प्रोडक्ट्स (सीएसआईआर-यूआरडीआईपी) एवं सीएसआईआर–इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी यूनिट (सीएसआईआर- आईपीयू) की टीमों ने 14–15 जनवरी 2025 को सीएसआईआर - केन्द्रीय काँच एवं सिरामिक अनुसंधान संस्थान का दौरा किया। यह दौरा "पेटेंट फाइलिंग गतिविधि बैठक" के लिए आयोजित किया गया था। सीएसआईआर-यूआरडीआईपी के प्रमुख के नेतृत्व में आयोजित इस प्रकार की यह पहली पहल थी, जिसने सभी प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि और लाभ प्रदान किए।

CSIR–URDIP and CSIR-IPU visited CSIR-CGCRI

Honorable Dr. Kishore Sreenivasan, along with teams from CSIR–URDIP and CSIR–IPU, visited CSIR-CGCRI on January 14–15, 2025, for the "Patent Filing Activity Meeting-" This first-of-its-kind initiative, led by the Head of CSIR–URDIP, provided valuable insights and benefits to all participants.

सीएसआईआर-यूआरडीआईपी और सीएसआईआर-आईपीयू ने सीएसआईआर सीजीसीआरआई का दौरा किया
CSIR–URDIP and CSIR-IPU visited CSIR-CGCRI

काँच पर XXVII वाँ अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस 2025

काँच पर 27वीं अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस (ICG) 2025 एक प्रमुख वैश्विक आयोजन है, जिसमें वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ, उद्योग के नेता और शिक्षाविद् एकत्रित होकर काँच विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं उसके अनुप्रयोगों में नवीनतम प्रगति पर विचार-विमर्श करते हैं। यह सम्मेलन 20–24 जनवरी 2025 तक कोलकाता स्थित बिस्वा बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया, जिसका आयोजन सीएसआईआर - केन्द्रीय काँच एवं सिरामिक अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीजीसीआरआई) द्वारा इंटरनेशनल कमीशन ऑन ग्लास के तत्वावधान में किया गया।

इस कांग्रेस का उद्घाटन डॉ. जितेंद्र सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो. हिरोयुकी इनोए, अध्यक्ष, इंटरनेशनल कमीशन ऑन ग्लास एवं प्रोफेसर, टोक्यो विश्वविद्यालय, तथा प्रो. बिक्रमजीत बसु, निदेशक, सीएसआईआर-सीजीसीआरआई सहित वैश्विक काँच समुदाय के कई प्रतिष्ठित व्यक्तित्व उपस्थित रहे।

ICG 2025 उभरते रुझानों—जैसे स्मार्ट ग्लास सामग्री, उन्नत विनिर्माण प्रक्रियाएँ, ऊर्जा-कुशल प्रौद्योगिकियाँ तथा सतत काँच नवाचार—पर ज्ञान के आदान-प्रदान का एक सशक्त मंच प्रदान करता है। विश्वभर के प्रमुख अनुसंधान संस्थानों, उद्योगों और विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों के साथ यह आयोजन अकादमिक और उद्योग जगत के बीच सार्थक सहयोग को बढ़ावा देता है।

तकनीकी सत्रों, मुख्य व्याख्यानों, पैनल चर्चाओं और प्रदर्शनी के माध्यम से यह कांग्रेस ऊर्जा, स्वास्थ्य, संचार, निर्माण और पर्यावरणीय स्थिरता जैसे क्षेत्रों में काँच की परिवर्तनकारी भूमिका को रेखांकित करती है, जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी के भविष्य को आकार देने में इसकी महत्ता को और सुदृढ़ करती है।

XXVII International Congress On Glass 2025

The XXVII International Congress on Glass (ICG) 2025 is a premier global event bringing together scientists, technologists, industry leaders, and academicians to explore cutting-edge advancements in glass science, technology, and applications. Scheduled from January 20–24, 2025, the congress is being hosted at the Biswa Bangla Convention Centre, Kolkata, and organized by CSIR-Central Glass and Ceramic Research Institute (CSIR-CGCRI) under the aegis of the International Commission on Glass.

The congress was inaugurated by Dr. Jitendra Singh, Union Minister of State (Independent Charge) for Science & Technology and Earth Sciences, in the presence of Prof. Hiroyuki Inoue, President of the International Commission on Glass and Professor at the University of Tokyo, Prof. Bikramjit Basu, Director of CSIR-CGCRI, and other eminent figures from the global glass community.

ICG 2025 serves as a vibrant platform for the exchange of knowledge on emerging trends such as smart glass materials, advanced manufacturing processes, energy-efficient technologies, and sustainable glass innovations. With participants from leading research institutions, industries, and universities worldwide, the event fosters meaningful collaboration between academia and industry.

Through technical sessions, keynote addresses, panel discussions, and exhibitions, the congress underscores the transformative role of glass in energy, healthcare, communication, construction, and environmental sustainability, reinforcing its significance in shaping the future of science and technology.

काँच पर XXVII अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस 2025 / XXVII International Congress on Glass 2025

उन्नत सामग्रियों में उभरते रुझानों पर सम्मेलन (ETAM 2025)

सीएसआईआर - केन्द्रीय काँच एवं सिरामिक अनुसंधान संस्थान के प्लैटिनम जयंती समारोह के अंतर्गत, फंक्शनल कार्यात्मक सामग्री और उपकरण प्रभाग द्वारा 6 से 7 फरवरी 2025 के दौरान उन्नत सामग्रियों में उभरते रुझानों पर सम्मेलन (ETAM 2025) का आयोजन किया गया।

इस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. राजीव आहूजा, निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ (आईआईटी रोपड़) उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रो. बिक्रमजीत बसु, निदेशक, सीएसआईआर-सीजीसीआरआई ने संरक्षक (Patron) के रूप में भूमिका निभाई, जबकि डॉ. मृणाल पाल सम्मेलन के अध्यक्ष तथा डॉ. स्वस्तिक मोंडल संयोजक रहे। यह कार्यात्मक पदार्थ मैटेरियल्स और उनके विविध गुणों में नवीनतम प्रगति पर केंद्रित था, जो आधुनिक प्रौद्योगिकी के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

ईटीएएम – 2025 / ETAM - 2025

Conference on Emerging Trends in Advanced Materials (ETAM 2025)

As part of the ensuing CSIR-CGCRI Platinum Jubilee Celebrations, the Functional Materials and Devices Division of CSIR-CGCRI organized a Conference on Emerging Trends in Advanced Materials (ETAM 2025) on 6th to 7th February 2025.

The inaugural session was graced by Prof. Rajeev Ahuja, Director, IIT Ropar, as the Chief Guest, with Prof. Bikramjit Basu, Director, CSIR-CGCRI, serving as Patron, Dr. Mrinal Pal as Chair, and Dr. Swastik Mondal as Convenor of ETAM 2025.The conference focused on the latest advancements in functional materials and their diverse properties, which are vital to the progress of modern technology.

"सीएसआईआर विज्ञान रथ" का शुभारंभ

वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के माननीय महानिदेशक द्वारा 14 फरवरी 2025 को "सीएसआईआर विज्ञान रथ" को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जिसका उद्देश्य विज्ञान आधारित शिक्षा, जागरूकता और नवाचार को बढ़ावा देना है। "विकसित भारत 2047" के दृष्टिकोण के अनुरूप यह मोबाइल विज्ञान जागरूकता पहल ओडिशा, पश्चिम बंगाल और झारखंड के स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों तक पहुँचकर वैज्ञानिक ज्ञान का प्रसार और युवाओं को प्रेरित करने का कार्य कर रही है।

अपनी यात्रा को आगे बढ़ाते हुए, विज्ञान रथ सीएसआईआर–खनिज एवं पदार्थ प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर-आईएमएमटी), भुवनेश्वर से सीएसआईआर - केन्द्रीय काँच एवं सिरामिक अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीजीसीआरआई) पहुँचा, जहाँ 26 फरवरी 2025 को प्रातः 11:30 बजे प्रो. बिक्रमजीत बसु, निदेशक, सीएसआईआर-सीजीसीआरआई द्वारा इसे औपचारिक रूप से पुनः हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। सीएसआईआर-सीजीसीआरआई के वैज्ञानिक एवं तकनीकी अधिकारी 26–27 फरवरी 2025 को कोलकाता एवं आसपास के क्षेत्रों के स्कूलों और कॉलेजों में इस विज्ञान रथ के साथ जाकर विद्यार्थियों में जिज्ञासा और नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करेंगे।

Flagged off "CSIR Vigyan Rath"

The Honorable Director General of CSIR flagged off the "CSIR Vigyan Rath" on February 14, 2025, to promote science-based education, awareness, and innovation. Aligned with the vision of "Viksit Bharat 2047," this mobile science outreach initiative is scheduled to visit schools, colleges, and communities across Odisha, West Bengal, and Jharkhand, disseminating scientific knowledge and inspiring young minds.

Continuing its journey, the CSIR Vigyan Rath arrived at CSIR-CGCRI from CSIR-IMMT, Bhubaneswar, and was ceremoniously flagged off by Prof. Bikramjit Basu, Director, CSIR-CGCRI, on February 26, 2025, at 11:30 A.M. Scientists and Technical Officers from CSIR-CGCRI will accompany the Vigyan Rath to visit schools and colleges in and around Kolkata on February 26–27, 2025, fostering curiosity and a culture of innovation among students.

सीएसआईआर विज्ञान रथ सीएसआईआर-सीजीसीआरआई पहुंचा / CSIR Vigyan Rath arrived at CSIR-CGCRI

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

सीएसआईआर - केन्द्रीय काँच एवं सिरामिक अनुसंधान संस्थान, कोलकाता ने 28 फरवरी 2025 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन भारत की वैज्ञानिक विरासत और उसके भविष्य पर विशेष ध्यान के साथ किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. पद्मनाभन बालाराम, प्रो. बिक्रमजीत बसु तथा डॉ. देबदुलाल साहा द्वारा किया गया।

इस आयोजन का मुख्य आकर्षण चतुर्थ प्लैटिनम जयंती विशिष्ट व्याख्यान रहा, जिसे प्रो. पद्मनाभन बालाराम, चांसलर, वैज्ञानिक एवं अभिनव अनुसंधान अकादमी (एसीएसआईआर) द्वारा "भारत में विज्ञान और वैज्ञानिक: अतीत और वर्तमान" विषय पर प्रस्तुत किया गया। उनके विचारोत्तेजक व्याख्यान ने भारत की वैज्ञानिक यात्रा को रेखांकित करते हुए वैश्विक ज्ञान में देश के योगदान को उजागर किया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस – 2025 / National Science Day - 2025

कार्यक्रम में कोलकाता की समृद्ध वैज्ञानिक विरासत को भी प्रमुखता दी गई, जिसमें इसके नोबेल पुरस्कार विजेताओं और प्रमुख संस्थानों—जैसे इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस (आईएसीएस), एसएसकेएम अस्पताल, कोलकाता तथा नीलरतन सरकार मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, कोलकाता—को विशेष रूप से उल्लेखित किया गया, जिन्होंने वैश्विक वैज्ञानिक चिंतन को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया है।

सीएसआईआर-सीजीसीआरआई के कार्मिका के अलावा, इस कार्यक्रम में लगभग 115 विद्यार्थियों और 10 शिक्षकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। ये प्रतिभागी विभिन्न संस्थानों—मुकुल बोस मेमोरियल संस्थान, शिबपुर श्रीमत स्वामी प्रज्ञानानंद सरस्वती विद्यालय, गर्फा डी.एन.एम. गर्ल्स हाई स्कूल, तथा बेलघरिया देशप्रिया विद्यालय निकेतन—से आए थे। उनकी सहभागिता ने कार्यक्रम में ऊर्जा का संचार किया और भविष्य के वैज्ञानिकों को प्रेरित करने की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ किया।

National Science Day

On February 28, 2025, the CSIR-Central Glass and Ceramic Research Institute, Kolkata, celebrated National Science Day with a special focus on India's scientific heritage and its future. The event was inaugurated by Prof. Padmanabhan Balaram, Prof. Bikramjit Basu, and Dr. Debdulal Saha.

A highlight of the celebration was the 4th Platinum Jubilee Distinguished Lecture, delivered by Prof. Padmanabhan Balaram, Chancellor of AcSIR, on the topic "Science and Scientists in India: Past and Present." His insightful address traced India's scientific evolution and underscored the nation's contributions to global knowledge.

The programme also spotlighted Kolkata's rich scientific legacy, recognizing its Nobel laureates and renowned institutions such as IACS, SSKM Hospital, and Nilratan Sircar Medical College, which have significantly influenced global scientific thought.

In addition to CSIR-CGCRI staff, the event saw enthusiastic participation from around 115 school students and 10 teachers representing various institutions, including Mukul Bose Memorial Institution, Shibpur Srimat Swami Projnanananda Saraswati Vidyalaya, Garfa D.N.M. Girls' High School, and Belgharia Deshapriya Vidyaniketan. Their presence added youthful energy and reinforced the event's commitment to nurturing the next generation of scientists.

सीएसआईआर-सीजीसीआरआई में CIMES (सेंटर ऑफ इनोवेशन एंड मैन्युफैक्चरिंग इको-सिस्टम) के लिए शिलान्यास

डॉ. समीर वी. कामत, सचिव, रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग तथा अध्यक्ष, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 7 मार्च 2025 को सीएसआईआर - केन्द्रीय काँच एवं सिरामिक अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीजीसीआरआई) में नवाचार एवं विनिर्माण परिस्थितिकी तंत्र केन्द्र (नवाचार एवं विनिर्माण परिस्थितिकी तंत्र कन्द्र केंद्र) की एक नई सुविधा के शिलान्यास समारोह की अध्यक्षता की। इस अवसर पर प्रो. बिक्रमजीत बसु, निदेशक, सीएसआईआर-सीजीसीआरआई की गरिमामयी उपस्थिति रही।

यह महत्वपूर्ण पहल इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (मीतवाई/ MeitY), वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) तथा पश्चिम बंगाल इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग विकास निगम (वेबेल) के सहयोग से शुरू की गई है, जिसका उद्देश्य स्वदेशी सेंसर प्रौद्योगिकियों के विकास को गति देना है।

CIMES की विशेषता इसका उद्देश्य है—अकादमिक और उद्योग जगत को एक मंच पर लाकर नवाचार और सहयोग को बढ़ावा देना, विशेषकर सेंसर निर्माण और विकास के क्षेत्र में।विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए सेंसर प्रौद्योगिकियों के व्यावसायीकरण पर विशेष ध्यान देते हुए, CIMES का लक्ष्य औद्योगिक IoT (IIoT) क्षेत्र में आत्मनिर्भरता, क्षमता निर्माण और तकनीकी प्रगति को बढ़ावा देना है, जो आत्मनिर्भर भारत की राष्ट्रीय दृष्टि के अनुरूप है।

सीआईएमईएस के लिए आधारशिला रखी गई
Foundation Stone Laid for CIMES

Foundation Stone Laid for CIMES (Centre of Innovation & Manufacturing Eco-System) CSIR-CGCRI

Dr. Samir V. Kamat, Secretary, Department of Defence R&D and Chairman of DRDO, presided over the foundation stone-laying ceremony for a new facility at CSIR-CGCRI, part of the Centre of Innovation & Manufacturing Eco-System for Sensors (CIMES) on March 7, 2025. The ceremony was graced by the presence of Prof. Bikramjit Basu, Director, CSIR-CGCRI.

This landmark initiative—a collaboration between MeitY, CSIR, and WEBEL—is designed to accelerate the development of indigenous sensor technologies. CIMES is distinctive in its mission to unite academia and industry, fostering innovation and collaboration in sensor manufacturing and development.

With a strong focus on commercializing sensor technologies for diverse applications, CIMES aims to drive self-reliance, capacity building, and technological advancement in the Industrial IoT (IIoT) sector, fully aligning with the national vision of Atmanirbhar Bharat.

अनुसंधान परिषद को 66वीं बैठक

66वीं आरसी बैठक 1 मार्च 2025 को भौतिक रूप से आयोजित की गई। आरसी सदस्यों के अतिरिक्त, विशेष आमंत्रित अतिथियों में हरप्रीत सिंह, एलेंजर्स ग्लोबल हेल्थकेयर तथा नीरज भुखनवाला, भुखनवाला इंडस्ट्रीज़ ने इस बैठक में भाग लिया। प्रो. बिक्रमजीत बसु, निदेशक, सीएसआईआर - केन्द्रीय काँच एवं सिरामिक अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीजीसीआरआई) ने संस्थान की समग्र जानकारी प्रस्तुत की, जिसमें हाल की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों तथा नई पहलों को रेखांकित किया गया। डॉ. वामसी कृष्ण बल्ला ने वर्षभर चलने वाले प्लैटिनम जयंती समारोहों की जानकारी साझा की, जबकि डॉ. युवराज नटराजन ने कॉम्प्यूर की अवधारणा प्रस्तुत की। डॉ. अनल तरफदार ने नवस्थापित सेंट्रल फर्नेस सुविधा का परिचय दिया। इस बैठक में R&D सीड फंड (RDSF-2024) परियोजनाओं पर दस प्रस्तुतियाँ दी गईं। डॉ. अतासी पाल तथा करन शर्मा मैसर्स एलंजर्स ने सीएसआईआर-सीजीसीआरआई के थुलियम फाइबर लेज़र के व्यावसायीकरण की स्थिति पर चर्चा की। इसके अतिरिक्त, नए एसआईटी कार्यक्रम के अंतर्गत चार प्रस्तुतियाँ भी दी गईं। बैठक का समापन एक बंद-द्वार सत्र के साथ हुआ, जिसके पश्चात अध्यक्ष को धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

66वीं आरसी बैठक प्रगति पर / 66th RC Meeting in progress

The 66th RC Meeting

The 66th RC Meeting was held in-person on March 01, 2025. Apart from RC members, special invitees Mr. Harpeet Singh from Allengers Global Healthcare and Mr. Niraj Bhukhanwala from Bhukhanvala Industries attended the meeting. Prof. Bikramjit Basu, Director, CSIR-CGCRI, presented an overview of the institute, highlighting recent R&D activities and new initiatives. Dr. Vamsi Krishna Balla shared the year-long Platinum Jubilee celebrations, while Dr. Yuvaraj Natarajan introduced the concept of COMPUMAT. Dr. Anal Tarafdar presented the newly established Central Furnace Facility. Ten presentations were delivered on R&D Seed Fund (RDSF-2024) projects. Dr. Atasi Pal, along with Mr. Karan Sharma from M/s Allengers, discussed the commercialization status of the CSIR-CGCRI Thulium Fiber Laser. In addition, four presentations were made under the new STI program. The meeting concluded with a closed-door session, followed by a vote of thanks to the Chair.

व्याख्यान

सीएसआईआर - केन्द्रीय काँच एवं सिरामिक अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीजीसीआरआई) ने 13 मार्च 2025 को अपने पीएचडी छात्रों एवं परियोजना कर्मचारियों के लिए "काँच एवं सिरामिक अत्याधुनिक अनुसंधान हेतु साहित्य समीक्षा का अवलोकन" विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया।यह व्याख्यान डॉ. अजय मल्लिक, सहायक प्रोफेसर, रामकृष्ण मिशन विवेकानंद सेंटेनरी कॉलेज (आरकेएमवीसीसी), कोलकाता द्वारा प्रस्तुत किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत प्रो. बिक्रमजीत बसु, निदेशक, सीएसआईआर-सीजीसीआरआई के स्वागत भाषण के साथ हुई। इस सत्र में संस्थान के विभिन्न विभागों के छात्रों एवं परियोजना कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

Lecture

On 13th March 2025, CSIR-CGCRI organized a lecture titled "Overview on Literature Review for Cutting-Edge Research on Glass and Ceramics" for its PhD students and project staff. The lecture was delivered by Dr. Ajoy Mallik, Assistant Professor, Ramakrishna Mission Vivekananda Centenary College (RKMVCC). The session began with a welcome address by Prof. Bikramjit Basu, Director, CSIR-CGCRI, and witnessed enthusiastic participation from students and project staff across various departments of the institute.

डॉ. अजॉय मलिक व्याख्यान देते हुए / **Dr. Ajoy Mallik delivering Lecture**

कार्मिक समाचार / Staff News

नाम / Name	पदनाम / Designation	तिथि / Date
डॉ. मिलन कांति नस्कर / Dr. Milan Kanti Naskar	मुख्य वैज्ञानिक / Chief Scientist	**31.12.2024**
डॉ. नंदिनी दास / Dr. Nandini Das	वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक / Senior Principal Scientist	**31.12.2024**
श्री तपश घोष / Mr. Tapash Ghosh	तकनीकी अधिकारी / Technical Officer	**31.12.2024**
डॉ. सितेंदु मंडल / Dr. Sitendu Mandal	मुख्य वैज्ञानिक एवं प्रमुख / Chief Scientist and Head	**31.01.2025**
डॉ. सोमनाथ बंद्योपाध्याय / Dr. Somnath Bandopadhyay	मुख्य वैज्ञानिक एवं प्रमुख / Chief Scientist and Head	**31.01.2025**
डॉ. अविजीत घोष / Dr. Avijit Ghosh	प्रधान तकनीकी अधिकारी / Principal Technical Officer	**31.01.2025**
श्री शुभेंदु चक्रवर्ती / Mr. Subhendu Chakrabarti	वरिष्ठ तकनीशियन (3) / Senior Technician (3)	**31.01.2025**
डॉ. तरुण कुमार कायाल / Dr. Tarun Kr Kayal	मुख्य वैज्ञानिक एवं प्रमुख / Chief Scientist and Head	**28.02.2025**
श्री रवींद्रनाथ दास / Mr. Rabindranath Das	निजी सचिव / Private Secretary	**31.03.2025**
श्री मिथिलेश प्रसाद / Mr. Mithilesh Prasad	प्रयोगशाला परिचर (2) / Laboratory Attendant (2)	**31.03.2025**

नवीन नियुक्ति / New Joining

नाम / Name	पदनाम / Designation	तिथि / Date
डॉ. सौरव दास चौधरी / Dr.Sourav Das Chowdhury	वरिष्ठ वैज्ञानिक / Sr. Scientist	**24.12.2024**
डॉ. एरनेझुथ वासन अविन / Dr.Eranezhuth Wasan Awin	वरिष्ठ वैज्ञानिक / Sr. Scientist	**06.01.2025**
डॉ. राजन बिस्वास / Dr.Rajan Biswas	वैज्ञानिक / Scientist	**03.03.2025**
डॉ. विपिन कुमार सिंह / Dr. Vipin Kumar Singh	वैज्ञानिक / Scientist	**07.03.2025**
श्री सौरभ कुमार / Mr. Saurabh Kumar	सहायक अनुभाग अधिकारी (वित्त एवं लेखा) / Assistant Section Officer (F&A)	**27.03.2025**

सीएसआईआर-सीजीसीआरआई में स्थानांतरण / Transferred to CSIR-CGCRI

नाम / Name	पदनाम / Designation	स्थान / to	तिथि / Date
श्री सुप्रिया रंजन पाल / Mr. Supriya Ranjan Pal	तकनीशियन (1) / Technician (1)	सीएसआईआर–सीजीसीआरआई / CSIR-CGCRI	**06-01-2025**
श्री सुदीप सान्ट्रा / Mr. Sudip Santra	तकनीशियन (1) / Technician (1)	सीएसआईआर–सीजीसीआरआई / CSIR-CGCRI	**06-01-2025**

व्यवसाय, साझेदारियाँ एवं गठबंधन (एमओयू/एनडीए आदि) / Business, Partnerships, Alliances (MoU/NDA/etc)

» सीएसआईआर - केन्द्रीय काँच एवं सिरामिक अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीजीसीआरआई), कोलकाता एवं एसएफओ टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, एर्नाकुलम के बीच 9 दिसंबर 2024 को एक गोपनीयता समझौता (NDA) पर हस्ताक्षर किए गए, जिसका उद्देश्य संरचनात्मक एवं प्रक्रिया निगरानी अनुप्रयोगों के लिए फाइबर ऑप्टिक सेंसर और फाइबर ब्रैग ग्रेटिंग्स के स्वदेशी विकास की संभावनाओं का अन्वेषण करना है।

» A Non-Disclosure Agreement (NDA) was signed on 9th December 2024 between CSIR-CGCRI, Kolkata & M/s. SFO Technologies Private Limited, Ernakulam, entitled "To explore the possibilities of indigenous development of fiber optic sensor and fiber Bragg gratings for structural monitoring and process control monitoring applications"

» 26 दिसंबर 2024 को सीएसआईआर-सीजीसीआरआई, कोलकाता एवं एलेंजर्स ग्लोबल हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली के बीच समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए, जिसका उद्देश्य THz स्पेक्ट्रोस्कोपी, चिकित्सा इमेजिंग, प्रिसिजन सर्जरी एवं सामग्री प्रसंस्करण हेतु फेम्टोसेकंड फाइबर लेज़र का प्रोटोटाइप विकसित करना है।

» 1 जनवरी 2025 को सीएसआईआर-सीजीसीआरआई, कोलकाता एवं एआईएमआईएल लिमिटेड के बीच फाइबर ऑप्टिक सेंसर के विकास हेतु MoU पर हस्ताक्षर किए गए।

» 17 जनवरी 2025 को सीएसआईआर-सीजीसीआरआई, कोलकाता एवं यूनिवर्स मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता के बीच "बैटरी ग्रेड सामग्री एवं BMS प्रणाली" पर MoU हस्ताक्षरित किया गया।

» 17 जनवरी 2025 को सीएसआईआर-सीजीसीआरआई, कोलकाता एवं ऑर्थोटेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, वलसाड, गुजरात के बीच बायोसेरामिक फेमोरल हेड्स के निर्माण प्रौद्योगिकी हेतु MoU पर हस्ताक्षर किए गए।

» 17 जनवरी 2025 को सीएसआईआर-सीजीसीआरआई, कोलकाता एवं ईयामऑटो मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई के बीच सिरामिक सेपरेटर प्रौद्योगिकी पर MoU हस्ताक्षरित किया गया।

» 17 जनवरी 2025 को सीएसआईआर-सीजीसीआरआई, कोलकाता एवं प्रिज़्म जॉनसन लिमिटेड, मुंबई के बीच MoU पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें रिएक्शन बॉन्डेड सिलिकॉन नाइट्राइड (RBSN) रेडोम, जल निस्पंदन हेतु सिरामिक मेम्ब्रेन, तथा IR अनुप्रयोगों के लिए चाल्कोजेनाइड ग्लास शामिल हैं।

» 17 जनवरी 2025 को सीएसआईआर-सीजीसीआरआई, कोलकाता एवं एयरो मरीन सर्विसेज, मुंबई के बीच पनडुब्बी अनुप्रयोग हेतु ग्लास/ग्लास-सिरामिक सीलेंट्स (SOFC-SOES) पर MoU हस्ताक्षरित किया गया।

» 4 फरवरी 2025 को सीएसआईआर-सीजीसीआरआई, कोलकाता एवं टाटा स्टील लिमिटेड के बीच सॉलिड ऑक्साइड इलेक्ट्रोलाइज़र सेल एवं शॉर्ट स्टैक के विकास हेतु MoU पर हस्ताक्षर किए गए, जिसका उद्देश्य आयरन निर्माण प्रक्रिया में CO_2 उत्सर्जन को कम करना है।

» 17 फरवरी 2025 को सीएसआईआर-सीजीसीआरआई, कोलकाता एवं सत्यभामा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, चेन्नई, के सेंटर फॉर लेबोरेटरी एनिमल टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च के बीच एक परियोजना समझौता हस्ताक्षरित किया गया, जो कार्टिलेज पुनर्जनन हेतु प्री-क्लिनिकल परीक्षण से संबंधित है।

» 7 मार्च 2025 को सीएसआईआर-सीजीसीआरआई, कोलकाता एवं भुखनवाला इंडस्ट्रीज़ प्राइवेट लिमिटेड, महाराष्ट्र के बीच उन्नत सिरामिक प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी (सिलिकॉन नाइट्राइड, एल्युमिनियम नाइट्राइड एवं सिलिकॉन कार्बाइड) हेतु परियोजना समझौता किया गया।

» 21 मार्च 2025 को सीएसआईआर-सीजीसीआरआई, कोलकाता एवं गुरु नानक डेंटल साइंस एंड रिसर्च संस्थान, पानीहाटी, कोलकाता, के बीच सामग्री अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी के उन्नत क्षेत्रों में सहयोगात्मक अनुसंधान एवं क्षमता निर्माण (विशेषकर डेंटल विज्ञान) हेतु MoU पर हस्ताक्षर किए गए।

» A Memorandum of understanding (MoU) was signed between CSIR-CGCRI, Kolkata & M/s. Allengers Global Healthcare (P) Ltd, New Delhi, entitled "Prototyping Femtosecond fiber laser specfic for THz spectroscopy , medical imaging, precision surgery and material processing" on 26th December 2024.

» On 1st January 2025 a Memorandum of understanding (MoU) was signed between CSIR-CGCRI, Kolkata & M/s. AIMIL Ltd, Kol-700107, to Development of a fiber optic sensors.

» On 17th January 2025 CSIR-CGCRI, Kolkata & M/s. Uneverse Mobility Pvt Ltd, Kolkata, were signed a Memorandum of understanding (MoU) on 'Battery grade materials and BMS system'.

» A Memorandum of understanding (MoU) was signed entitled "Manufacturing technology for bioceramic femoral heads" between CSIR-CGCRI, Kolkata& M/s. Orthotech India Pvt. Ltd, Valsad, Gujarat on 17th January 2025.

» A Memorandum of understanding (MoU) was signed on Ceramic separator technology between CSIR-CGCRI, Kolkata & M/s. Eyamauto Mobility Pvt. Ltd., Mumbai on 17th January 2025.

» On 17th January 2025 a Memorandum of understanding (MoU) was signed between CSIR-CGCRI, Kolkata & M/s. Prism Johnson Limited, Mumbai, entitled "Reaction Bonded Silicon Nitrade (RBSN) Readome, Ceramic membranes for water filtration, Chalcongenide glass for IR applications."

» A Memorandum of understanding (MoU) was signed entitled "Glass/ Glass ceramic sealants for submarine application SOFC-SOES rigid and forthcoming sealants" between CSIR-CGCRI, Kolkata & M/s. Aero Marine Services, Mumbai on 17th January 2025.

» A Memorandum of understanding (MoU) was signed for "Development of Solid Oxide Electrolyzer Cell & Short Stak for Blast Furnace Top Gas Utization to Reduce CO2 Footprint in the Iron Making Process" between CSIR-CGCRI, Kolkata & Tata Steel Limited, Mumbai, on 4th February 2025.

» A Project Agreement was signed on 17th February 2025, entitled "Pre-clinical trials on growth factor loaded pGS-PCL fibrous parch for cartilage regeneration in Full Thickness Osteochondral Cartilage of Diseases" , between CSIR-CGCRI, Kolkata & Centre for Laboratory Animal Technology and Research, Sathyabama Institute of Science and Technology , Chennai, Tamilnadu, India.

» A Project Agreement was signed between CSIR-CGCRI, Kolkata & BHUKHANVALA INDUSTRIES PVT. LTD, Maharashtra, on 07th March 2025 . entitled "Advanced Ceramics Processing Technologies for Silicon Nitrade, Aluminum Nitride and Silicon Carbide" .

» A Memorandum of understanding (MoU) was signed, entitled "Collaborative R&D and capacity building in frontier domains of materials engineering and tecgnology with special reference to dental science and research" on 21st March 2025, between CSIR-CGCRI, Kolkata & Guru Nanak Institutr of Dental Science and Research , Panihati, Kolkata, West Bengal.

शुरू की गई प्रोजेक्ट (दिसंबर 2024 – मार्च 2025)

Project Initiated (December 2024 to March 2025)

परियोजना शीर्षक / Project title	कार्य क्षेत्र / Domain of work	प्रायोजक / Sponsers	प्रारंभ तिथि / Start Date	समापन तिथि / End Date
आयरन निर्माण प्रक्रिया में CO_2 उत्सर्जन को कम करने हेतु ब्लास्ट फर्नेस टॉप गैस उपयोग के लिए सॉलिड ऑक्साइड इलेक्ट्रोलाइज़र सेल एवं शॉर्ट स्टैक का विकास / Development of Solid Oxide Electrolyzer Cell & Short Stack for Blast Furnace Top Gas Utilization to Reduce CO2 Footprint in the Iron Making Process	अनुदान सहायता / Collaborative	पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय Ministry of Steel and TATA Steel	05-03-2025	04-03-2027
रोगी-विशिष्ट ऑस्टियोकोंड्रल ऊतक विकल्पों के उत्पादन हेतु नवीन बायोइंक्स का विकास: एक प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट (PoC) अध्ययन /Development of Novel Bioinnks for production of patient-specific osteochondral tissue substitutes: A proof-of-concept (PoC) study	अनुदान सहायता / In-House	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग / In-House	04-02-2025	31-03-2027
उच्च तापमान सिरामिक मैट्रिक्स कंपोजिट अनुप्रयोग हेतु सोल-जेल प्रक्रिया द्वारा डोप्ड ज़िरकोनिया का विकास / Development of Doped Zirconia by Sol-Gel Processing for High Temperature Ceramic Matrix Composite Application	अनुदान सहायता/Grant-in-Aid	एएसएल-डीएफटीएम, डीआरडीओ /ASL-DFTM DRDO	17-01-2025	16-01-2028

अंतरिक्ष यानों की थर्मल प्रोटेक्शन प्रणाली हेतु उच्च उत्सर्जक ग्लेज़ कोटिंग / High emissivity glaze coating for thermal protection system of space vehicles	अनुदान सहायता/Grant-in-Aid	एएसएल-डीएफटीएम, डीआरडीओ /ASL-DFTM DRDO	17-01-2025	16-01-2028
उच्च तापमान (≥1800°C) ईएम पारदर्शी सामग्री के रूप में नवीन सिरामिक कंपोज़िट्स का विकास / Development of novel ceramic composites as high temperature (≥1800°C) EM transparent materials	अनुदान सहायता/Grant-in-Aid	एएसएल-डीएफटीएम, डीआरडीओ /ASL-DFTM DRDO	17-01-2025	12-01-2028
एयरो इंजन अनुप्रयोगों हेतु वांछित सूक्ष्म संरचना एवं उच्च तापमान गुणों वाले गामा टाइटेनियम एलुमिनाइड घटकों के प्रसंस्करण के लिए उपयुक्त एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग तकनीक का मूल्यांकन / Assessing suitable additive manufacturing technology for processing Gamma Titanium Aluminide components with desired microstructures and high temperature properties for aero engine applications	अनुदान सहायता/Grant-in-Aid	डीएफटीएम-डीआरडीओ /DFTM-DRDO	13-01-2025	12-01-2028
हेपेटाइटिस C वायरस संक्रमण के प्रारंभिक निदान हेतु पॉइंट-ऑफ-केयर सेंसर का विकास/Development of a Point-of-care sensor for early diagnosis of Hepatitis C viral infections	अनुदान सहायता/Grant-in-Aid	डीबीटी /DBT	06-12-2024	05-06-2026

प्रकाशन

कुल SCI प्रकाशन: 37 कुल Non-SCI प्रकाशन: 0

Publications

Total No. of SCI publication: 37; Non-SCI: 0

माह/Month	Publication		कुल प्रकाशन/Total Publication
	SCI	NON-SCI	
दिसंबर 2024 / December, 2024	8	0	8
जनवरी 2025 / January, 2025	9	0	9
फरवरी 2025 / February, 2025	17	0	17
मार्च 2025 / March, 2025	13	0	13

पेटेंट

मुख्य नवाचार संकेतक

भारत में दायर

1. **शीर्षक:** :V_2O_5 आधारित बहुरंगी इलेक्ट्रोक्रोमिक फिल्मों का व्यवस्थित संरचनात्मक अभियांत्रिकी एवं उपकरण निर्माण
   आविष्कारक: सुस्मिता कुंडू ,सहेली भट्टाचार्जी ,सोवंदेब सेन
   आवेदन संख्या: 202511005406; दिनांक: 22 जनवरी 2025

भारत में स्वीकृत

1. **शीर्षक:** : प्लैटिनमया उसके मिश्रधातु से बने धात्विक क्रूसिबल का उपयोग कर माइक्रोवेव हीटिंग द्वारा काँच गलाने की प्रक्रिया
   आविष्कारक: आशीष कुमार मंडल , प्रणेश सेनगुप्ता
   आवेदन संख्या: BR 11 2025 000939 7; **पेटेंट संख्या**: 553454
   देश: ब्राज़ील (BR)
   तिथि: 17 जनवरी 2025

2. **शीर्षक:** प्लैटिनमया उसके मिश्रधातु से बने धात्विक क्रूसिबल का उपयोग कर माइक्रोवेव हीटिंग द्वारा काँच गलाने की प्रक्रिया
   आविष्कारक: आशीष कुमार मंडल ,प्रणेश सेनगुप्ता **भद्रआवेदन संख्या**: 2025-502659
   देश: जापान (JP) **तिथि**: 17 जनवरी 2025

3. **शीर्षक:** प्लैटिनमया उसके मिश्रधातु से बने धात्विक क्रूसिबल का उपयोग कर माइक्रोवेव हीटिंग द्वारा काँच गलाने की प्रक्रिया
   आविष्कारक: आशीष कुमार मंडल , प्रणेश सेनगुप्ता **संख्या:** 2023309390
   देश: ऑस्ट्रेलिया (AU) **तिथि**: 29 जनवरी 2025

4. **शीर्षक:** प्लैटिनमया उसके मिश्रधातु से बने धात्विक क्रूसिबल का उपयोग कर माइक्रोवेव हीटिंग द्वारा काँच गलाने की प्रक्रिया
   आविष्कारक: आशीष कुमार मंडल , प्रणेश सेनगुप्ता **भद्रआवेदन संख्या**: 2025-7005142
   देश: कोरिया (KR) **तिथि**: 17 फरवरी 2025

Patents

Patents Filed and Granted (December 2024 March 2025)

Filed in Indian

1.Title: SYSTEMATIC COMPOSITIONAL ENGINEERING OF V2O5 BASED MULTICOLORED ELECTROCHROMIC FILMS AND DEVICE FABRICATION THEREOF
Inventors: SusmitaKundu, SaheliBhattacharjee, Sovandeb Sen
(Application No.: 202511005406 Date: 22-Jan-2025)

Granted in India

1.**Title:** A PROCESS OF GLASS MELTING IN MICROWAVE HEATING USING METALLIC CRUCIBLE MADE UP WITH PLATINUM OR ITS ALLOY
Inventors: Ashis Kumar Mandal, Pranesh Sengupta
(**Application No**.: BR 11 2025 000939 7 Country: BR Date: 17-Jan-2025)

2.**Title:** A PROCESS OF GLASS MELTING IN MICROWAVE HEATING USING METALLIC CRUCIBLE MADE UP WITH PLATINUM OR ITS ALLOY
Inventors: Ashis Kumar Mandal, Pranesh Sengupta
(**Application No**.: 2025-502659 Country: JP Date: 17-Jan-2025)

3.**Title**: A PROCESS OF GLASS MELTING IN MICROWAVE HEATING USING METALLIC CRUCIBLE MADE UP WITH PLATINUM OR ITS ALLOY
Inventors: Ashis Kumar Mandal, Pranesh Sengupta
(**Application No**.:2023309390 Country: AU Date: 29-Jan-2025)

4.**Title:** A PROCESS OF GLASS MELTING IN MICROWAVE HEATING USING METALLIC CRUCIBLE MADE UP WITH PLATINUM OR ITS ALLOY
Inventors: Ashis Kumar Mandal, Pranesh Sengupta
(**Application No.**: 2025-7005142 Country: KR Date: 17-Feb-2025)

संपादकीय बोर्ड / Editorial Board

मुख्य मार्गदर्शक: प्रो. बिक्रमजीत बसु, निदेशक, CSIR-CGCRI • **संपादक:** डॉ. अम्बरीष सान्याल • **सहायक संपादक:** श्री संजीव कुमार सिंह, श्री अतनु विश्वास, श्री सैकेत पाल • **निर्माण/उत्पादन:** श्री सुकमल मंडल • **परामर्शदाता:** डॉ. इंद्रनील विश्वास • **प्रकाशन:** यह प्रकाशन निदेशक, सीएसआईआर–केंद्रीय काँच एवं सिरामिक अनुसंधान संस्थान की ओर से व्यवसाय विकास एवं प्रकाशन विभाग (BDPD), CSIR-CGCRI, कोलकाता–700032 द्वारा प्रकाशित किया गया।

Chief Mentor: Prof. Bikramjit Basu, Director, CSIR-CGCRI • **Editors:** Dr. Ambarish Sanyal • **Associate Editors:** Mr. Sanjiva Kumar Singh, Mr. Atanu Biswas, Mr, Saikat Paul • **Production:** Mr. Sukamal Mondal • **Advisor:** Dr. Indranil Biswas • **Published** on behalf of Director, CSIR-Central Glass and Ceramic Research Institute by Business Development and Publication Division (BDPD), CSIR-CGCRI, Kolkata 700032